www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 294 || लखनऊ
बुधवार
28 जनवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:54
सूर्यास्तः 05:45
अधिकतमः 18°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 03

विशेष समाचार
बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग खतरे ... >> पेज 02
यूपी में 5 डे वर्किंग के लिए बैंकों में ... >>पेज 04
मेट्रो में वरुण धवन को पुल अप करना ...

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

यूपी में सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजीं, सुप्रीम कोर्ट में याचिका, सरकार बोली- कोई भेदभाव नहीं होगा

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। नई दिल्ली में UGC हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और कई संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं। यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। UGC के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा, 'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।' केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं होगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

जुर्माने का प्रावधान खत्म करना गलत : ठाकुर रणविजय

करणी सेवा के प्रदेश महासचिव रणविजय सिंह ने कहा कि इस कानून के बहुत दुष्प्रभाव हैं । 2012 में जो गाइडलाइन आई थी उस समय समता की बात करते हुए एससी एसटी वर्ग को इसमें जोड़ा गया था और ओबीसी वर्ग को बाहर रखा गया था। उसमें यह भी था कि अगर कोई झूठा आरोप लगता है तो उसे पर जुर्माना होगा। मगर अब 2026 में जो गाइडलाइन आई जिसमें छोटा आरोप लगाने वाले पैर जमाने का प्रावधान हटा दिया। इसमें जनरल वर्क को असुरक्षित करते हुए यूनिवर्सिटी लेवल पर जातियों में मतभेद पैदा किया जा रहा है। झूठे आरोप पर जमाने का प्रधान हटाना सबसे गलत है।

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष को हिरासत में लिया गया

UGC के विरोध में करणी सेना के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस ने सेना के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सिंह को हिरासत में ले लिया। संदीप सिंह ने कहा कि UGC पर अगर बदलाव या संशोधन नहीं हुआ तो हम अपनी ताकत दिखाएंगे। देश भर में महाआंदोलन करेंगे। यह फैसला सवर्ण समाज के हित में नहीं है। सवर्ण समाज का बच्चा यूनिवर्सिटी में पढ़ने में, करियर बनाने में हमेशा दबाव में रहेगा। नए नियम में सवर्ण समाज अपील भी नहीं कर सकता अगर शिकायत झूठी आई तो। 5000 सालों पुराना जो नकली इतिहास पढ़ा गया था वही लागू कर दिया गया हम लोगों पर।

अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कर रहे दिनेश चंद्र ने कहा कि सरकार ने हमको नंगा कर दिया। 525 यूनिवर्सिटी हमने दान की और आज नंगे हो गए। सरकार हमको अपराधी मानती है। सरकार और उसके लोग हमें गुंडा मानते हैं। जब तक यूजीसी नियम वापस नहीं हो जाएगा, हम इसी तरह रहेंगे। अगर सरकार कहेगी पैंट उतारकर घूमो तो हम वैसा भी करेंगे।

प्रदर्शन कर रहे हैं अंगद सिंह ने कहा कि हमने हमेशा सरकार का पक्ष लिया है। मगर आज सरकार हमें सड़कों पर ले आई। जब तक यह बिल वापस नहीं हो जाएगा हम लोग पीछे हटने वाले नहीं है।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

UGC ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन, 2026।' इसके तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है।

भाजपा का मजबूती से मुकाबला केवल ममता कर रहीं : अखिलेश

सपा नेता बोले- पश्चिम बंगाल में नफरत की राजनीति सफल नहीं होगी

- अखिलेश यादव ने राज्य सचिवालय नबान्न में ममता बनर्जी से मुलाकात की।
- ममता बनर्जी ने शॉल गले में डालकर अखिलेश यादव का स्वागत किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि देश में केवल पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी ही भाजपा का मजबूती से मुकाबला कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा पश्चिम बंगाल में अब सिर्फ सम्मानजनक हार की कोशिश कर रही है। यहां नफरत की राजनीति सफल नहीं होगी। अखिलेश ने राज्य सचिवालयमें ममता बनर्जी से मुलाकात की। बैठक करीब 40 मिनट चली। इसके बाद अखिलेश ने कहा कि ममता बनर्जी जिस तरह भाजपा का मुकाबला कर रही हैं, वही सही तरीका है अखिलेश ने कहा कि भाजपा-विरोधी 'INDIA' गठबंधन में शामिल कई दलों को कांग्रेस के रवैये से पहले भी शिकायत रही है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई में ममता को जनता का समर्थन मिलता रहेगा। सपा भी तृणमूल कांग्रेस के साथ खड़ी है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) की प्रोसेस चला रही है। इसका मकसद देश की धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था को कमजोर करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि SIR की आड़ में NRC लागू करने की कोशिश हो रही है। आम लोगों को परेशान किया जा रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा, फूट-फूटकर रोए

कहा- योगी का अपमान बर्दाश्त नहीं, शंकराचार्य का कमेंट बुरा लगा

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। यूपी में शंकराचार्य का विवाद अब बढ़ता जा रहा है। अब PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी के समर्थन में अयोध्या के GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा- शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से उन्हें बहुत बुरा लगा। इससे मैं आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता। जिस प्रदेश का नमक और रोटी खाता हूं, प्रदेश के वेतन से मेरा परिवार चलता है। अगर उस प्रदेश के मुखिया पर असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया जाएगा, तो मुझे दर्द होगा। मेरे अंदर भी दिल और संवेदना है। क्योंकि मैं यूपी कर्मचारी नियमावली के तहत बंधा हुआ हूं। दो दिनों से इस पीड़ा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था, इसलिए राज्यपाल को इस्तीफा भेज दिया है। 48 साल के प्रशांत कुमार ने इस्तीफे के बाद पत्नी से फोन पर बात की और फूट-फूटकर रोने लगे। प्रशांत मूलतः मऊ जिले के सरवां गांव के रहने वाले हैं। उन्हें सहारनपुर में पहली ज्वॉइनिंग मिली थी। कानपुर में असिस्टेंट कमिश्नर रहे। अयोध्या में पोस्टिंग 21 अक्टूबर, 2023 को हुई थी। प्रशांत कुमार से बात करने के लिए GST अपर आयुक्त संतोष कुमार, एडीएम और एसपी सिटी उनके कार्यालय पहुंचे हैं। इससे पहले सोमवार को बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने भी इस्तीफा दिया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

■ डिप्टी कमिश्नर ने इस्तीफा देने के बाद पत्नी से फोन पर बात की। वे भावुक हो गए।

फास्ट न्यूज

चलते ऑटो से 4 छात्राएं गिरीं

कामारेड्डी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में एक सरकारी रेजिडेंशियल गुरुकुल स्कूल की 4 छात्राएं चलते ऑटो से गिर गईं। इनमें 8वीं क्लास की एक छात्रा की मौत हो गई। घटना का CCTV फुटेज सामने आया है, जिसमें छात्राएं चलते ऑटो एक-एक करके गिरती दिख रही हैं। इसके बावजूद ऑटो ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के मां-बाप गिरफ्तार

पंजाब। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्याकांड में मास्टरमाइंड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के माता-पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी रात 10 बजे श्री मुक्तसर साहिब की पुलिस ने 2 साल पुराने मामले में की है। गैंगस्टर के माता-पिता अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पास होटल में ठहरे हुए थे। गिरफ्तारी के बाद पिता शमशेर सिंह और माता पीरतपाल कौर को श्री मुक्तसर साहिब कोर्ट में पेश किया गया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंगला ने दोनों को 30 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दोनों की पेशी का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, 2 साल पहले शिक्षक से 50 लाख रुपए रंगदारी मांगी गई थी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार, चार की मौत

दौसा। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार कार घुस गई। हादसे में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। ट्रक में कार बुरी तरह फंस गई थी। इसकी वजह से करीब 12 किमी तक ट्रक के साथ कार घिसटती चली गई। गाड़ी में शव भी फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हादसा पापड़दा इलाके में एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर-193 के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ।

हिमाचल में फिर बिगड़ा मौसम, 15 घंटे बर्फबारी की चेतावनी

रात में तूफान का अलर्ट, कुफरी-फागू में ट्रैफिक जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला समेत राज्य के ऊंचे पहाड़ों पर मंगलवार को फिर से ताजा हिमपात हुआ। शिमला में दोपहर एक बजे कुछ देर बर्फ के फुहार गिरी। कुफरी और नारकंडा में भी दोपहर 12 बजे के बाद फ्रैश स्नोफॉल हुआ। इससे सड़क पर फिसलन बढ़ गई और हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लगा। चंबा के भरमौर में शाम 5 बजे तक 6 इंच, स्पीति में 2 इंच, रोहतांग में 7 इंच, गोंदला में 8 इंच, केलांग में 4 इंच ताजा फ्रैश स्नोफॉल हुआ। किन्नौर, कुल्लू और लाहौल स्पीति में भी दोपहर बाद से बर्फबारी जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने शाम छह बजे ताजा बुलेटिन जारी कर कल सुबह 9 बजे तक चंबा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल स्पीति और शिमला के कुछेक स्थानों पर भारी हिमपात की चेतावनी दी है। इसे देखते हुए टूरिस्ट समेत लोकल लोगों को अधिक ऊंचे क्षेत्रों की यात्राएं टालने की सलाह दी गई है और स्थानीय प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने को कहा गया है। शिमला के रिज व कुफरी में बर्फ देखकर टूरिस्ट खुशी से झूम उठे। मगर कुफरी गए पर्यटकों को लंबे ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। फागू से छराबड़ा के बीच दोपहर एक बजे से ही लंबा ट्रैफिक जाम लगा हुआ है।

>> (शेष पेज 04 पर)

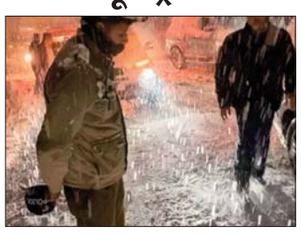

भारत-यूरोपियन यूनियन में 18 साल बाद ट्रेड डील

इम्पोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110% से घटकर 10%, प्रीमियम शराब पर 150% की जगह 20% टैक्स

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के बीच 18 साल की लंबी बातचीत के बाद मंगलवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) हो गया है। भारत और यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने मंगलवार को 16वें भारत-EU समिट के दौरान इसका ऐलान किया। इस समझौते को 2027 में लागू किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद भारत में यूरोपीय कारें जैसे कि BMW, मर्सिडीज पर लगने वाले टैक्स को 110% से घटाकर 10% कर दिया जाएगा। इसके अलावा भारत में यूरोप से आने वाली शराब और वाइन पर टैक्स कम हो सकता है। यूरोपीय देशों की शराब पर अभी 150% टैरिफ लगता है। इसे घटाकर 20-30% किया जाएगा। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि EU दूसरी सबसे बड़ी। दोनों मिलकर वैश्विक GDP का करीब 25% और दुनिया के कुल व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने इंडिया-EU बिजनेस फोरम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में व्यापार तकनीक और रेयर खनिजों को हथियार बनाकर इनका इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

मोदी बोले- 27 तारीख को 27 देशों के साथ एफटीए

भारत-यूरोपीय फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर पीएम मोदी ने कहा कि 27 जनवरी को भारत ने यूरोप के 27 देशों के साथ यह FTA साइन किया है। इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा, नई इनोवेशन साझेदारियां बनेंगी और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि साझा समृद्धि का रोडमैप है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और यूरोपीय संघ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक (IMEA) कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में वैश्विक व्यवस्था को लेकर उथल-पुथल है।

यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने खुद को प्रवासी भारतीय बताया। उन्होंने कहा कि मैं यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष हूं, लेकिन साथ ही मैं एक ओवरसीज इंडियन सिटिजन भी हूं। इसलिए, जैसा आप समझ सकते हैं, मेरे लिए इसका एक खास भावनात्मक मतलब है।

चर्चा : 35+ पार्टियों के सांसद शामिल, सरकार का वीबी-जी राम-जी कानून पर चर्चा से इनकार, 28 जनवरी से शुरू होगा सेशन

बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इस दिन रविवार है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सरकार अपना एजेंडा शेयर करती है। विपक्ष को बोलने की आजादी है, लेकिन सुनना भी जरूरी है। उन्होंने मनरेगा की जगह लाए गए VB-G RAM-G कानून पर चर्चा की मांग खारिज कर दी। लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं।

मीटिंग के बाद विपक्षी सांसदों की प्रतिक्रिया-

- शिवसेना (UBT) MP अरविंद सावंत- सभी ने अपने-अपने राज्यों के हिसाब से अपनी मांगें रखी हैं। प्रदूषण, SIR, बढ़ती बेरोजगारी जैसे कई मुद्दे हैं और भी बहुत कुछ।
- समाजवादी पार्टी MP राम गोपाल यादव- इस बजट से किसी को कुछ नहीं मिलने वाला है। बजट उन्हीं के लिए है जिनके पास संपत्ति है।

AAP MP संजय सिंह- मैंने यह बात उठाई कि सरकार फॉरेन पॉलिसी पर पूरी तरह फेल रही है, चाहे वह बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार हों या US द्वारा लगातार प्रधानमंत्री को बेइज्जत करने का मामला हो। इन सभी मुद्दों पर चुप्पी देश में चिंता पैदा कर रही है। मैंने शंकराचार्य का मुद्दा भी उठाया, कैसे प्रयागराज में उनका अपमान किया गया। मैंने SIR का मुद्दा भी उठाया, और SIR के नाम पर कितने वोट डिलीट किए गए।

ऑल पार्टी मीटिंग में विपक्ष की मांग

- भारत यूरोपियन संघ के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर चर्चा हो।
- ओडिशा में संकट में फंसे किसान और बीजेपी शासित राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा हो।
- 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया बैन पर बिल लाया जाए।

■ राजनाथ सिंह, यूनियन हेल्थ मिनिस्टर जेपी नड्डा, यूनियन पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर किरेन रिजिजू, यूनियन लॉ एंड जस्टिस मिनिस्टर (इंडिपेंडेंट चार्ज) अर्जुन राम मेघवाल मौजूद थे।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की मंगलवार को आई रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च (वित्तीय वर्ष) वित्तीय वर्ष-27 में 12 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है, जो सालाना आधार पर लगभग 10% की बढ़ोतरी दर्ज करेगा। रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चला है कि बजट अनुमानों के अनुसार कुल पूंजीगत खर्च वित्तीय वर्ष-16 में 2.5 लाख करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष-26 में 11.2 लाख करोड़ रुपए हो गया।

पश्चिम बंगाल में दो गोदामों में आग, 8 लोगो की मौत

कई मजदूर के फंसे होने की आशंका, सात घंटे में 12 दमकल गाड़ियों ने आग बुझाई

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में सोमवार सुबह दो गोदामों में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई। कई मजदूर लापता हैं। पुलिस के मुताबिक, आग सुबह करीब 3 बजे लगी। दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 7 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10 बजे आग पर काबू पाया। हालांकि गोदाम के कुछ हिस्सों में देर शाम तक धुआं और आग की लगी रही। शाम करीब 5 बजे तीन शव मिले। बाद में तलाशी के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। बारुईपुर पुलिस जिला एसपी शुभेंदु कुमार ने बताया कि सभी शव इतनी बुरी तरह झुलसे हैं कि पहचान संभव नहीं है। शुरुआत में 6 लोगों के लापता होने की सूचना मिली थी, लेकिन परिजनों का कहना है कि यह संख्या 10 से ज्यादा हो सकती है।

>> (शेष पेज 04 पर)

- आग लगने के लगभग 7 घंटे बाद भी कई हिस्सों से लपटे उठ रही थी।
- आग से फैक्ट्री में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

सम्पादकीय

कठपुतली व्यवस्था में गणतंत्र पर खतरा

देश आज 77 वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस बार यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो लुईस सांतोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि होंगे देश आज 77 वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस बार यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो लुईस सांतोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि होंगे। अमेरिका की तरफ से थोपे गए टैरिफ और व्यापार समझौते को लेकर बनाए जा रहे दबाव के बीच यूरोपीय संघ से मुख्य अतिथि बनाने के फैसले को फिर से मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक करार दिया जा रहा है। खबर है कि यूरोपीय काउंसिल और यूरोपीय कमीशन के साथ भारत ऐसा व्यापार समझौता कर सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को लाभ हो। ऐसा होता है, तो यह वाकई अच्छी बात होगी। वहीं गणतंत्र दिवस की परेड में इस बार जिन हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है, उनसे पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की रूह कांप जाएगी, ऐसे शीर्षकों से भी समाचार आ रहे हैं। इन सबके बीच राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने और वंदे मातरम के लिए राष्ट्रगान जैसे नियम बनाने की भी खबरें हैं। सोचने वाली बात ये है कि क्या गणतंत्र दिवस व्यापार समझौतों और शक्ति प्रदर्शन का अवसर है, सरकारी विज्ञप्तियों में सत्ता के प्रचार का अवसर है या फिर संविधान को बचाए और बनाए रखने की प्रतिबद्धता दिखाने का अवसर है। सत्ता के हक में चलाई जा रही प्रायोजित खबरों के बीच कुछ और खबरें भी आई हैं, जो संविधान पर बढ़ रहे खतरे को दिखा रही हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने प.बंगाल में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया पर कहा है कि एसआईआर अगर सावधानी से और पर्याप्त समय लेकर किया जाए तो यह एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इस समय पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है। यह न सिर्फ मतदाताओं के साथ अन्याय है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के साथ भी अनुचित है। गौरतलब है कि श्री सेन किसी पार्टी से संबद्ध नहीं हैं और उनका बौद्धिक स्तर भी काफी ऊंचा है, ऐसे में उनकी बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। लेकिन अभी तो उन्हें ही चुनाव आयोग ने नागरिकता साबित करने का नोटिस भेज दिया है। एक खबर दक्षिण भारत के तीन गैरभाजपा शासित राज्यों से है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक तीनों राज्यों में राज्यपालों ने सरकार के साथ सीधे टकराव का रास्ता चुना है। तमिलनाडु में राज्यपाल आर एन रवि ने विधानसभा में अभिभाषण पढ़ने से इंकार कर दिया। कर्नाटक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया। और केरल में राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने अपने भाषण से उन हिस्सों को हटा दिया, जिनमें केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना थी। जाहिर है तीनों राज्यपालों ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों की जगह मोदी सरकार के प्रति वफादारी को निभाने की राह चुनी। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस पर लिखा, "प्रधानमंत्री मोदी खुद को भारत का वायसराय मानते हैं- जो दिल्ली से राज्य सरकारों को रिमोट कंट्रोल से नियंत्रित करने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल करते हैं। एक अन्य खबर न्यायपालिका पर सत्ता के बढ़ते दबाव की है। पुणे के आईएलएस लॉ कॉलेज में प्रिंसिपल जी.वी. पंडित मेमोरियल लेक्चर में सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुइयां ने इस बात पर चिंता जताई है कि आज न्यायपालिका पर सबसे बड़ा ख़तरा 'अंदर से' आ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर किसी केस का फ़ैसला सिर्फ यह जानकर तय हो जाए कि कौन सा जज या बेंच सुन रहा है, तो यह लोकतंत्र के लिए दुखद होगा।' जस्टिस भुइयां ने कहा कि स्वतंत्र न्यायपालिका लोकतंत्र और कानून के राज की रक्षा के लिए ज़रूरी है। इसके लिए ऐसे जज चाहिए जो समय की राजनीतिक हवाओं के खिलाफ सीधे खड़े रहें। जस्टिस भुइयां को यह बात जजों के तबादले और कॉलेजियम व्यवस्था में सरकार की दखलंदाजी के कारण कहनी पड़ी। हाल ही में उत्तरप्रदेश के संभल में तीन-चार दिनों में दो बार सीजेएम के तबादले हो गए हैं। संभल हिंसा मामले में तत्कालीन सीजेएम विभांशु सुधीर ने 9 जनवरी को एएसपी अनुज चौधरी समेत 20 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया तो विभांशु सुधीर का अचानक तबादला हो गया उनकी जगह इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जज आदित्य सिंह को संभल का नया सीजेएम बनाया। आदित्य सिंह ने ही पहले संभल की जामा मस्जिद सर्वे का आदेश दिया था। लेकिन इस नियुक्ति पर भी विवाद हुआ तो कुछ घंटों में ही आदित्य सिंह को भी हटा दिया गया। अब नए सीजेएम को संभल भेजा गया है। इससे पहले दिल्ली दंगों में भी भाजपा नेताओं के खिलाफ आदेश देने वाले जस्टिस मुरलीधरन का भी आधी रात को तबादला कर दिया गया था। हाल ही में राजस्थान में अडानी के खिलाफ फैसला सुनाने वाले जज दिनेश कुमार गुप्ता का भी ट्रांसफर कर दिया गया था। मध्यप्रदेश में कर्नल सोफिया कुरैशी के अपमान पर एक मंत्री के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेने वाले जस्टिस अतुल श्रीधरन का भी इसी तरह तबादला हुआ, जिसका जिक्र करते हुए जज भुइयां ने कहा कि जस्टिस अतुल श्रीधरन को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ट्रांसफर करने का प्रस्ताव किया था। लेकिन केंद्र सरकार की पुनर्विचार की मांग पर इसे बदलकर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया। कॉलेजियम के रिकॉर्ड में खुद लिखा है कि यह बदलाव सरकार की मांग पर हुआ।

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग खतरे में 1000000 लोगों की नौकरी संकट में

बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री (वस्त्र उद्योग) गंभीर संकट के दौर से गुजर रही है। घरेलू टेक्सटाइल मिलर्स ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार जनवरी के अंत तक यार्न (कपड़ा बुनाई में उपयोग होने वाले धागे) के ड्यूटी-फ्री इम्पोर्ट (बिना किसी शुल्क के आयात) की सुविधा बहाल नहीं करती।

भारत के खिलाफ लगातार जहर उगल रही बांग्लादेश की यूनुस सरकार को लगता था कि पाकिस्तान का साथ पाकर वह सफल हो जाएगा। लेकिन, भारत ने ऐसा दांव खेला कि बिना कोई कदम उठाए या एक भी शब्द बोले बांग्लादेश की रीढ़ ही तोड़ दी। हुआ यूं कि बांग्लादेश जिस उद्योग के दम पर सांसें ले रहा था, वही उद्योग अब अपनी आखिरी सांस गिन रहा है। इसकी वजह प्रत्यक्ष न सही लेकिन परोक्ष रूप से भारत को ही बताया जा रहा है। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत के सस्ते धागों के जाल में उलझकर बांग्लादेश कब बर्बादी के मुहाने पर खड़ा हो गया, उसे आभास भी नहीं हुआ। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कपड़ा उद्योग पर अब गंभीर संकट के बादल छाने लगे हैं। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि अगले महीने कई कारखानों पर ताला लगाने की नौबत आ गई है। बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (BTMA) ने घोषणा की कि अगर जनवरी अंत तक यार्न के ड्यूटी-फ्री आयात की सुविधा बहाल न हुई तो 1 फरवरी से देश की सभी स्पिनिंग यूनिटें उत्पादन बंद कर देंगी। राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (NBR) ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिश पर बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत यह सुविधा निलंबित कर दी। सरकार का कहना है कि सस्ते आयात से घरेलू मिलें तबाह हो रही हैं। गारमेंट निर्यातक भारत से कॉटन यार्न (78 प्रतिशत) और चीन से पॉलिएस्टर मंगा रहे हैं, जो स्थानीय उत्पाद से सस्ता और बेहतर है। 2025 में 70 करोड़ किलो यार्न आयात पर 2 अरब डॉलर खर्च हुए। पिछले 3-4 माह के गैस संकट ने हालात बिगाड़ दिए। अनियमित आपूर्ति, ऊंची कीमतों से उत्पादन क्षमता 50 प्रतिशत गिर गई। उद्योग को 2 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है, वहीं मिल मालिकों को सब्सिडी और आर्थिक पैकेज का इंतजार है। BTMA चेयरमैन सलीम रहमान ने कहा, 'भारतीय यार्न से बाजार डंप हो गया। 12,000 करोड़ टका का स्टॉक पड़ा है। 50 से ज्यादा मिलें बंद, हजारों बेरोजगार।' एसोसिएशन की मांगें स्पष्ट हैं कि 10-30 काउंट कॉटन यार्न पर ड्यूटी-फ्री आयात समाप्त, गैस पर सब्सिडी व नियमित आपूर्ति, VAT में छूट, बैंक ऋणों पर ब्याज राहत, सरकार से संवाद। इस कदम से 10 लाख नौकरियां खतरे में हैं। अंतरिम सरकार को चेतावनी दी गई, लेकिन VAT राहत नहीं मिली। मिलर्स और बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (BGMEA) के बीच विवाद तेज। मिलर्स दावा करते हैं कि घरेलू क्षमता मांग पूरी कर सकती है। भारत के यार्न निर्यातक अमित सोती ने कहा, 'बॉन्डेड सुविधा हटने से बांग्लादेशी गारमेंट्स प्रभावित होंगे।' गौरतलब है कि कपड़ा क्षेत्र बांग्लादेश अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, 80 प्रतिशत निर्यात और 40 लाख रोजगार इसी क्षेत्र से लोगों को मिलता है। गैस संकट, आयात निर्भरता और नीतिगत अनिश्चितता ने इसे कमजोर किया। अगर 1 फरवरी को मिलों पर ताले लगे तो आर्थिक मंदी और सामाजिक अशांति बढ़ सकती है। ज्ञात हो कि बांग्लादेश का सबसे बड़ा उद्योग कपड़ा है, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। जारा और एचएनएम जैसे ब्रांड भी बांग्लादेश से बनकर जाते हैं, तब दुनिया पहनती है। बांग्लादेश अकेले हर साल करीब 47 अरब डॉलर के रेडीमेड कपड़े दुनिया को निर्यात करता है। इन कपड़ों को बनाने के लिए बांग्लादेश यार्न यानी धागे का आयात भारत से करता है। मतलब सीधा कारोबार, भारत से सस्ते धागे खरीदो, उससे कपड़े बनाओ और दुनिया को बेच दो। लेकिन, बांग्लादेश को इन सस्ते धागों की ऐसी लत पड़ी कि आज उसी धागे में उलझकर उसका अरबों डॉलर का कारोबार डूबने की कगार पर पहुंच गया है। आलम ये है कि उसके मिल मालिकों ने सरकार से साफ कहा है कि अगर कुछ नहीं किया तो 1 फरवरी से सारी कपड़ा मिलें बंद हो जाएंगी। बांग्लादेश में धागे का लोकल उत्पादन उतना नहीं होता, जितना उसके कपड़ा उद्योग को जरूरत है। लिहाजा वह भारत और चीन से सस्ते धागे का आयात करता है। भारत का धागा अच्छी क्वालिटी और सस्ता होने के नाते ज्यादा खरीदता है। उसे प्रति किलोग्राम 3 से 5 फीसदी सस्ता भी पड़ता है। साल 2025 में उसने 70 करोड़ किलोग्राम धागा आयात किया, जिसमें से 78 फीसदी यानी करीब 2 अरब डॉलर के धागे सिर्फ भारत से मंगाए गए हैं। इस आयात की बड़ी वजह यह है कि वहां बॉन्डेड वेयरहाउस सिस्टम के तहत धागा आयात करने पर खरीदारों को कोई आयात शुल्क नहीं देना पड़ता है। भारत से सस्ते धागे का आयात इतना ज्यादा हुआ कि बांग्लादेश की लोकल मिलों के पास करीब 10 हजार करोड़ रुपये का स्टॉक जमा हो गया, जिसे खरीदने वाला कोई नहीं है। इस स्टॉक की वजह से देश में 50 से ज्यादा मिलें बंद हो चुकी हैं और उत्पादन की क्षमता भी 50 फीसदी कम हो गई है। इस संकट की वजह से अब तक हजारों नौकरियां जा चुकी हैं। बांग्लादेश में पिछले 4-5 महीने से गैस संकट भी चल रहा है, जिससे कर्ज और लोन चुकाने का संकट बढ़ गया। बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (BTMA) ने सरकार को साफ चेतावनी दी है कि अगर भारत से धागे की डंपिंग बंद नहीं हुई तो 1 फरवरी, 2026 से उत्पादन ठप कर देंगे। एक तरफ तो बांग्लादेश के कपड़ा निर्यातक सस्ते धागे के आयात के पक्ष में हैं, क्योंकि लोकल धागा महंगा और क्वालिटी में भी अच्छा नहीं होता। अगर आयात बंद हुआ तो लागत बढ़ेगी और उत्पादन में देरी आएगी जिससे ऑर्डर्स में कमी आ सकती है। अगर सरकार के कदम से आयात रुकता है तो उत्पादकों को ऊंची कीमतों पर लोकल धागा खरीदना पड़ेगा।

अशोक भाटिया

ऐसे में उत्पादन ...

डॉ. वेदप्रकाश

चुनौतियों को अवसर में बदलते नरेंद्र मोदी

हाल ही में लंदन से प्रकाशित प्रतिष्ठित एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिका द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की विकास यात्रा को मजबूत करने वाला बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन के टैरिफ से परेशान यूरोपीय नेताओं के लिए भारत का अनुभव एक सीख हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संतुलित और चतुर रणनीति के जरिए न केवल बाहरी दबावों को झेला बल्कि उन्हें घरेलू सुधारों को तेज करने का जरिया भी बनाया। पत्रिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के चीन के साथ संबंधों में सुधार आया है। निवेश पर लगी पाबंदियां हटाई गई हैं और कई अहम व्यापार समझौते किए गए हैं। ध्यातव्य है कि विगत लंबे समय से अमेरिका भारत सहित कई देशों पर टैरिफ का दबाव बनाए हुए है। ऐसे में उत्पादन और व्यापार की समूची व्यवस्था उलझन में पड़ी दिखाई देती है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गति से बिना किसी विवाद में उलझे निरंतर चल रहा है। इसके साथ-साथ विश्व के कई देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं। वहां के लोग और संसाधन प्रभावित हो रहे हैं। व्यापार और दूसरे देशों के साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। भारत के पड़ोसी देशों में भी राजनीतिक अस्थिरता एवं आंतरिक उतार-चढ़ाव और संघर्ष जारी हैं। वैश्विक चुनौतियों के ऐसे वातावरण के उपरांत भी वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की अनुमानित विकास दर 7.4 प्रतिशत है जो निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूती को दर्शाता है। वर्ष 2014 से 2025 तक की भारत की विकास यात्रा को देखने से हम पाते हैं कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी युग प्रवर्तक के रूप में हमारे सामने हैं। वे राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर निरंतर नए संकल्पों का सृजन करते हैं। वे समय की आवश्यकताओं व आकांक्षाओं को समझते हुए गंभीर चिंतन करते हुए योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित भी करते हैं। विगत कुछ समय से वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। इसके लिए वे ढांचागत सुधारों के साथ-साथ सैन्य मजबूती,विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में मजबूत भारत हेतु भी लगातार काम कर रहे हैं। भारत विविधताओं वाला विशाल देश है। ये विविधताएं जहां एक ओर भारत की शक्ति हैं वहीं दूसरी ओर इसमें चुनौतियां भी विद्यमान हैं लेकिन वर्ष 2014 के बाद से किसान, गरीब, मजदूर, महिला, युवा, गांव, शहर, ज्ञान-विज्ञान एवं सूचना- तकनीक आदि के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। स्वच्छ भारत, शौचालय युक्त भारत, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, प्रधानमंत्री जनधन योजना, स्किल इंडिया, नारी सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी युक्त भारत आदि ऐसी अनेक योजनाएं एवं दूरदर्शी संकल्प रहे हैं जिनसे सामान्य व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन हुए हैं। इसके साथ-साथ भारत ने आर्थिक दृष्टि से भी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर नए कीर्तिमान बनाए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय फलक पर संवैधानिक संस्थाओं एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत किया है तो वहीं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह भी स्पष्ट किया है कि वसुधैव कुटुंबकम हमारे लिए कोई नई चीज नहीं है अपितु यह हमारा जीवन दर्शन है, जिसके तहत हम पूरे विश्व को एक परिवार मानते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी वैश्विक फलक पर लगातार आतंकवाद, भ्रष्टाचार, ड्रग्स, अवैध हथियार, मनी लॉन्ड्रिंग, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक, प्रदूषण, आपसी सौहार्द, शांति एवं विस्तारवाद जैसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों और चुनौतियों पर समाधान के लिए आगे आए हैं। विश्व के अनेक देश उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। एक कुशल रणनीतिकार के रूप में प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय और वैश्विक फलक पर दीर्घकालिक सुधारों हेतु निरंतर प्रतिबद्ध रहते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना ने विश्व के अनेक देशों की आंतरिक और आर्थिक स्थिति को अस्थिरता की ओर पहुंचा दिया था। ऐसे में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी सुनियोजित ढंग से आत्मनिर्भरता का संकल्प लेकर सामने आए। उन्होंने न केवल भारत में अपितु विश्व के कई देशों को वैक्सीन से लेकर भिन्न-भिन्न प्रकार की आवश्यक सहायताएं पहुंचाई। वे पूरे देश को एक बड़े और महत्वपूर्ण संकल्प के साथ लेकर आगे बढ़े। उनकी योजनाओं में रेहड़ी पटरी वाले और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के लिए जितनी चिंता और प्रतिबद्धता होती है वे उतनी ही चिंता और प्रतिबद्धता देश के विकास में भागीदार उद्योगपतियों की भी करते हैं। देश के विभिन्न राज्यों से उनका समन्वय और संतुलन निरंतर रहता है तो विश्व के विभिन्न देशों के साथ भी वे उसी संतुलन से आगे बढ़ते हैं। वर्ष 2022 में अपनी जापान यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि- मेरा जो लालन पालन हुआ, मुझे जो संस्कार मिले, जिन-जिन लोगों ने मुझे गढ़ा है, उसके कारण मेरी भी एक आदत बन गई है-मुझे मक्खन पर लकीर करने में मजा नहीं आता। मैं पत्थर पर लकीर करता हूं। राष्ट्रीय स्तर पर कई बार संसद में नए कानून बनाने और विभिन्न योजनाओं को लागू करते समय विपक्ष के दबाव और विरोध से लेकर जाति, भाषा और संप्रदाय आधारित आपसी वैमनस्य आदि समस्याएं आती हैं। वैश्विक फलक पर भी विभिन्न मुद्दों पर कूटनीतिक सूझबूझ से काम लेना पड़ता है। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी व्यावहारिकता, दृढ़ता, आत्मीयता और दूरदर्शिता के साथ प्रत्येक स्थिति को संभालते हुए सबको साथ लेकर आगे बढ़ते हैं।

अब ये फिल्म ...

सुभाष शिरढोनकर

बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं साई पल्लवी

साई पल्लवी साउथ की उन शानदार एक्ट्रेसों में से एक हैं जो अपनी अनोखी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग की बदौलत दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। वह अपनी नेचुरल ब्यूटी और नो-मेकअप लुक के लिए मशहूर हैं। फिल्मों में उनका सादगीभरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आता हैं। अपने काम के साथ ही साथ साईं अपने लुक्स को लेकर हमेशा चर्चाओं में बनी रहती हैं। साईं पल्लवी स्क्रीन लाइफ की तरह रियल लाइफ में भी नो मेकअप पॉलिसी के साथ नजर आती हैं। कहा जाता है कि फिल्म 'प्रेमम' के डायरेक्टर अल्फ्रोंस पुथरेन ने पहली बार साईं को बिना मेकअप दिखने के लिए प्रोत्साहित किया था। परिणाम पक्ष में आने के बाद साईं ने इसे अपनी पॉलिसी बना लिया। साईं पल्लवी की खूबसूरती की तरह उनकी डांसिंग स्किल्स भी लाजवाब हैं। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म 'प्रेमम' (2015) के डांस सीक्वेंस खुद कोरियाग्राफ किए थे। 9 मई 1992 को तमिलनाडु के कोयम्बटूर के कोटागिरी गांव में एक बडगा आदिवासी परिवार में पैदा हुई साई पल्लवी एक्ट्रेस नहीं बल्कि एक डॉक्टर बनना चाहती थीं लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। इसी वजह से एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान उन्हें मलयालम फिल्म 'प्रेमम' (2015) का ऑफर मिला जो उनकी डेब्यू फिल्म बनी। साई की ये पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट साबित हुई । इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया हालांकि एक्टिंग के साथ ही साथ उन्होंने अपना एमबीबीएस भी कंपलीट किया। 'प्रेमम' (2015) के बाद साईं पल्लवी अपने करियर में तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में कई बड़े स्टार के साथ 'फिदा' (2017), 'मिडल क्लास अभय' (2017), 'मारी 2' (2018) 'अथिरन' (2019), 'लव स्टोरी' (2021) 'श्याम सिंह रॉय' (2021) 'अमरण' (2024) और 'थंडेल' (2025) जैसी कई बेहतरीन हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2026 और साल 2027 में साई पल्लवी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने की पूरी तैयारी कर ली है। दरअसल उनकी कई धमाकेदार फिल्में लाइन से रिलीज होने वाली हैं। साई पल्लवी आमिर खान के बेट जुनैद खान संग सुनील पांडे द्वारा निर्देशित हिंदी रोमांटिक कॉमेडी 'एक दिन' में नजर आएंगीं। इस फिल्म को साल 2025 में 'मेरे रहो' शीर्षक से रिलीज किया जाने वाला था लेकिन फिर इसकी रिलीज को किसी वजह से टाल दिया गया। अब ये फिल्म इस साल 1 मई को 'एक दिन' टाइटल के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के जरिए साई पल्लवी बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और दंगल फेम निर्देशक नितेश तिवारी निर्देशित रनबीर कपूर स्टारर दो पार्ट में बन रही माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म 'रामायण' में साई पल्लवी 'सीता' का किरदार निभा रही हैं। फिल्म 'रामायण' का पहला पार्ट इस साल दीवाली पर और दूसरा पार्ट साल 2027 की दीवाली पर थिएटर्स में दस्तक देगा।

जरा हटके

अब अमेरिका ने ...

राजेश कुमार पासी

अमेरिका की नई रक्षा नीति हथियारों की होड़ बढ़ाएगी

डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, वो लगातार अमेरिकी नीतियों में बड़े बदलाव करते जा रहे हैं। ये बदलाव इतने बड़े हैं कि उनके जाने के बाद भी इन नीतियों को बदलना सम्भव नहीं होगा । देखने से लगता है कि ये बदलाव ट्रंप द्वारा किये जा रहे हैं लेकिन सच यह है कि ये अमेरिका के ऐसे बदलाव हैं जो स्थाई रूप लेने वाले हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि उनकी नीति 'अमेरिका फर्स्ट' की होगी और सत्ता में आने के बाद वो उसी नीति पर चल रहे हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली थी जिसे वो अभी तक निभाता रहा है। अमेरिका की इस नीति के कारण यूरोपीय देशों ने अपने रक्षा खर्च को बहुत कम कर दिया था क्योंकि उन्हें अमेरिका के कारण अपनी सुरक्षा की चिंता नहीं थी। अमेरिका ने अपनी इस नीति के तहत 'नाटो' का निर्माण किया था जिसके कानून के अनुसार एक देश पर हमला संगठन के सभी देशों पर हमला माना जाता था। अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत के कारण ये संगठन बहुत शक्तिशाली है । 'नाटो' के गठन के बाद यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा के प्रति इतने आश्वस्त हो चुके थे कि उन्होंने अपनी सेना को बहुत कमजोर कर दिया। यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा के प्रति बेफिक्र होकर अपने विकास में लगे रहे और अपनी जनता के लिए बड़ी-बड़ी कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। दूसरी तरफ अमेरिका ने इस संगठन का फायदा उठाकर पूरी दुनिया में थानेदारी की । अमेरिका ने अपनी सनक में कितने ही देशों को बर्बाद कर दिया। अमेरिका ने कई देशों से युद्ध छेड़े और यूरोपीय देशों ने उसका पूरा साथ दिया । अमेरिका को इसके दो बड़े फायदे हुए, एक तरफ जहां उसकी चौधराहट चलती रही तो दूसरी तरफ उसका रक्षा उद्योग फलता-फूलता रहा । इन युद्धों में ज्यादातर अमेरिका के हथियार इस्तेमाल होते थे, जिनका खर्च नाटो देशों को उठाना पड़ता था। देखा जाए तो रूस-यूक्रेन युद्ध भी नाटो के कारण हुआ है क्योंकि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की जिद्द कर रहा था। रूस यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के सख्त खिलाफ था क्योंकि वो इसे अपनी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है। जब यूक्रेन अपनी जिद्द पर अड़ा रहा तो रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। अमेरिका और यूरोपीय देशों के उकसावे में आकर यूक्रेन ने रूस से युद्ध करके अपने आपको बर्बाद कर लिया है। कितनी अजीब बात यह है कि जिस नाटो में शामिल होने के लिए यूक्रेन ने यह दुःसाहस किया था, उसी नाटो का अस्तित्व आज खतरे में दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ दोस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन अपने हितों की अनदेखी करके रूस से समझौता कर ले। नए हालातों में यूक्रेन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सच तो यह है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यूरोपीय देशों को हुआ है । इस युद्ध के कारण उनकी अर्थव्यवस्था को बड़ी चोट पहुँची है । यूरोपीय देशों की ऊर्जा जरूरतें रूस द्वारा पूरी की जा रही थी लेकिन इस युद्ध के कारण उन्होंने रूस से दूरी बना ली। रूस की अपेक्षा अन्य देशों से ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति यूरोपीय देशों को बहुत महंगी पड़ी है जिसने उनकी आर्थिक कमर तोड़ दी है। अब अमेरिका ने अपनी सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव कर दिया है जिससे यूरोपीय देशों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। पेंटागन ने शुक्रवार को 34 पन्नों की 'नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति' जारी कर दी है। नई रक्षा नीति में कहा गया है कि अमेरिका अब दुनिया का चौकीदार नहीं बनेगा। इस नीति में कहा गया है कि अमेरिका का फोकस अब केवल पश्चिमी गोलार्द्ध, ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर रहेगा। अमेरिका ने एशिया और यूरोप के अपने सहयोगी देशों को फटकार लगाई है और कहा है कि ये देश लंबे समय से अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर है। अमेरिका ने उम्मीद जताई है कि अब ये देश रूस और उत्तर कोरिया जैसे खतरों से निपटने में ज्यादा जिम्मेदारी लेंगे। इस नीति में बदलाव की वजह यह बताई गई है कि बहुत लंबे समय तक अमेरिकी सरकार ने अपने नागरिकों और उनके हितों को प्राथमिकता नहीं दी है, अब ऐसा नहीं होने वाला है। देखा जाए तो अमेरिका ने यूरोपीय देशों को रूस से खुद निपटने को कह दिया है और दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया से निपटने का इशारा कर दिया है। 2022 में अमेरिका ने कहा था कि उत्तर कोरिया से निपटने की जिम्मेदारी उसकी है लेकिन अब अमेरिका पीछे हट गया है। ईरान के बारे में भी अमेरिका ने कहा है कि उससे निपटने की जिम्मेदारी अब क्षेत्रीय देशों पर होगी। अमेरिका ने जहां इजराइल को खुला समर्थन दिया है तो अरब देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। इस नीति में ताइवान के लिए कुछ नहीं कहा गया है लेकिन लगता है कि अब अमेरिका ने उसे भी चीन के भरोसे छोड़ दिया है। अमेरिका अपने सहयोगी देशों में सैन्य तैनाती कम करने जा रहा है। सवाल यह है कि डोनाल्ड ट्रंप को इससे क्या फायदा होने वाला है। वास्तव में ट्रंप चाहते हैं कि सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा खर्च करें। यूरोपीय देशों को उन्होंने बहुत पहले कह दिया था कि वो रक्षा पर अपना खर्च बढ़ाये। अब वो कह रहे हैं कि यूरोपीय देश रक्षा पर अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत से ज्यादा खर्च करें । इसके पीछे ट्रंप का स्वार्थ यह है कि सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा से ज्यादा हथियार खरीदे। इससे अमेरिका के सैन्य उद्योग को बड़ा फायदा होगा क्योंकि इस समय अमेरिका ही सबसे बड़ा आर्म्स सप्लायर है। देखा जाए तो अमेरिकी नीति से अब हथियारों की होड़ बढ़ने वाली है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि इससे हथियारों की होड़ बढ़ने वाली है बल्कि इससे भी बड़ी समस्या यह खड़ी हो गई है कि कई देशों में अपने दुश्मन देशों से युद्ध का खतरा खड़ा हो गया है। अमेरिका पर भरोसे के कारण यूरोपीय देश, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ताइवान जैसे देशों ने समुचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है, अब उन्हें अपनी सुरक्षा का भय सताने लगा है। जापान को इसका अहसास पहले ही हो गया था, इसलिए वो पिछले कुछ समय से भारत के साथ मिलकर रक्षा तैयारियों में जुटा हुआ है। दक्षिण कोरिया को भी अब इस रास्ते पर चलना होगा। ताइवान को तो लंबे समय से यह डर सता रहा है कि अगर चीन ने हमला कर दिया तो अमेरिका उसकी मदद करने से पीछे हट सकता है।

हार्दिक के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे

इमोशनल पोस्ट किया, लिखा- यह तो केवल शुरुआत है

हार्दिक ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए थे।

नई दिल्ली, एजेंसी

हार्दिक पंड्या ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 10 साल, इमोशनल पोस्ट के जरिए जताया आभार भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शानदार सफर के 10 साल पूरे कर लिए। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल मैच से टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया था। इसके बाद से लेकर अब तक पंड्या भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हो चुके हैं। इस खास मौके पर हार्दिक पंड्या ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने फैंस, परिवार और भगवान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि यह 10 साल की यात्रा

उनके लिए सिर्फ एक शुरुआत है और वे अभी भी अपने करियर के अगले पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी कप्तानी और नेतृत्व क्षमता भी समय-समय पर देखने को मिली है, जिससे टीम मैनेजमेंट का उन पर भरोसा और मजबूत हुआ है। दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में एक प्रभावशाली सफर तय किया है। बड़ौदा से शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा बनने तक। उन्होंने कई मौकों पर टीम इंडिया को जीत दिलाई है और बड़े टूर्नामेंटों में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है।

बड़े टूर्नामेंटों में निभाई अहम भूमिका

हार्दिक पंड्या भारत की उन टीमों का अहम हिस्सा रहे हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की। उन्होंने 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन टूर्नामेंटों में पंड्या ने न केवल बल्ले से बल्कि गेंद से भी अहम विकेट लेकर टीम को मजबूती प्रदान की। बड़े मुकाबलों में उनका शांत स्वभाव और आक्रामक खेल भारत के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ।

> 10 साल पूरे करने के बाद भी हार्दिक पंड्या का जोश और जुनून कम नहीं हुआ है। उनका मानना है कि उनका सफर अभी शुरू हुआ है और आगे कई बड़ी उपलब्धियां उनका इंतजार कर रही हैं। फैंस को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी हार्दिक पंड्या अपने प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करते रहेंगे और भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

हार्दिक पंड्या का सफर आसान नहीं रहा। गुजरात के बड़ौदा से निकलकर भारतीय टीम तक पहुंचने में उन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण दिखाया। शुरुआती दिनों में आर्थिक तंगी से जूझने के बाद उन्होंने अपने खेल के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई। तेज बल्लेबाजी, सटीक गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग के दम पर पंड्या जल्द ही टीम इंडिया के अहम स्तंभ बन गए। उन्होंने कई मौकों पर मुश्किल हालात में टीम को जीत दिलाकर अपनी उपयोगिता साबित की।

टीम इंडिया के भरोसेमंद ऑलराउंडर

दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में खुद को एक मैच-विनर खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में वह भारत के सबसे अहम खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। पंड्या की मौजूदगी से टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में संतुलन मिलता है।

हार्दिक पंड्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "आप सभी को मेरा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। धन्यवाद भगवान, उन सभी मुश्किलों और चुनौतियों के लिए, जिनकी वजह से मैं यहां तक पहुंच पाया। उन सभी लोगों के भरोसे के लिए। मौका देने के लिए।

ब्रेडमैन की बैगी ग्रीन कैप 2.92 करोड़ में बिकी

आजाद भारत के खिलाफ पहली सीरीज में पहनी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई के महान क्रिकेट खिलाड़ी सर डोनाल्ड (डॉन) ब्रेडमैन की 'बैगी ग्रीन' कैप की नीलामी हुई है। गोल्ड कोस्ट में हुई इस नीलामी में एक अनाम खरीदार ने इसे 4,60,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 2.92 करोड़ रुपए) में खरीदा। यह वही कैप है, जिसे ब्रैडमैन ने 1947-48 में आजाद भारत के खिलाफ खेली गई पहली टेस्ट सीरीज के दौरान पहना था। ब्रेडमैन ने यह कैप अपनी अंतिम घरेलू टेस्ट सीरीज (1947-48) के बाद भारतीय टीम के ओपनिंग गेंदबाज श्रीरंगा सोहनी (एस.डब्ल्यू. सोहनी) को गिफ्ट में दे दी थी। सोहनी परिवार ने इसे करीब 75 साल तक सुरक्षित रखा और कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया। लॉयड्स ऑक्शंस के COO ली हेम्स ने इस कैप को 'क्रिकेट की दुनिया का सबसे अनमोल खजाना बताया। उन्होंने कहा, 'यह कैप तीन पीढ़ियों से ताले में बंद थी। परिवार का नियम था कि जब कोई सदस्य 16 साल का

हो जाता था, तभी उसे सिर्फ 5 मिनट के लिए यह कैप देखने की इजाजत दी जाती थी।' भारतीय क्रिकेटर श्रीरंगा सोहनी ने 1947-48 की सीरीज का केवल पहला टेस्ट मैच खेला था। हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने उस मैच की पहली गेंद फेंकी थी। यह आजाद भारत के क्रिकेट इतिहास की भी पहली गेंद थी। इसी मैच के बाद ब्रैडमैन ने अपनी कैप सोहनी को यादगार के तौर पर दे दी थी। इस खास कैप के अंदर D.G. Bradman (डोनाल्ड ब्रेडमैन) और S.W. Sohoni (श्रीरंगा सोहनी) के नाम लिखे हुए हैं।

फास्ट न्यूज

वेस्टइंडीज की टी-20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड रिलीज

मुंबई। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 प्लेयर्स की स्क्वॉड घोषित कर दी गई है। बैटर क्वेंटिन सैम्सन और पेसर शमार जोसेफ को पहली बार ICC टूर्नामेंट की टीम में जगह मिली। विकेटकीपर बैटर शाई होप टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने 2024 में होम वर्ल्ड कप खेलने वाली टीम के 11 प्लेयर्स को फिर से जगह दे दी।

वेंस की वजह से नहीं हो पाई भारत-अमेरिका ट्रेड डील

वॉशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की वजह से भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाई। यह दावा अमेरिका के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज ने किया है। क्रूज की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग लीक हुई है। यह सीक्रेट रिकॉर्डिंग अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सिओस को मिली हैं। रिकॉर्डिंग में क्रूज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भी कभी-कभी डील में देरी के लिए जिम्मेदार बताया है। ये बातचीत 2025 के मध्य में दानदाताओं के साथ निजी बैठकों के दौरान की गई थी। रिकॉर्डिंग में क्रूज कहते हैं कि भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर व्हाइट हाउस के भीतर विरोध रहा। जब दानदाताओं ने पूछा कि डील में सबसे ज्यादा अड़चन कौन डाल रहा है, तो क्रूज ने व्हाइट हाउस के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कभी-कभी ट्रम्प का नाम लिया।

सरकारी बैंकों में आज हड़ताल

नई दिल्ली। देशभर में आज सभी सरकारी बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। PTI के मुताबिक, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने आज हड़ताल का ऐलान किया है। यूनियन कर्मचारियों के लिए 5-डे वर्किंग की मांग कर रहा है। हड़ताल की वजह से बैंकों में कैश ट्रांजैक्शन और चेक क्लियरेंस जैसे काम नहीं हो सकेंगे। महीने के चौथे शनिवार (23 जनवरी), रविवार (25 जनवरी) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की छुट्टी के बाद यह लगातार चौथा दिन होगा।

हैंडसम होने के कारण नकुल मेहता हुए थे रिजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर नकुल मेहता ने हाल ही में रिजेक्शन से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है। इश्कबाज और प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा जैसे हिट शो से घर-घर पहचान बनाने वाले नकुल ने बताया कि उन्हें एक बड़ी हिंदी फिल्म से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया, क्योंकि वो उस रोल के लिए "बहुत ज्यादा गुड लुकिंग" थे। न्यूज 18 को दिए एक इंटरव्यू में नकुल ने बताया कि वो एक फेमस निर्माता-निर्देशक की फिल्म के सीक्वल का हिस्सा बनने वाले थे। उन्होंने कहा, "सब कुछ तय हो चुका था। फोटोशूट हो गया था, डेट्स भी लॉक थीं। मैं एक एक्टिंग वर्कशॉप में था, तभी डायरेक्टर का फोन आया। उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में सोचा और मुझे लगता है कि तुम इस किरदार के लिए कुछ ज्यादा ही गुड लुकिंग हो।" नकुल ने आगे बताया कि उन्हें राजस्थान के एक राजकुमार का किरदार निभाना था। इस

वजह से उन्हें यह बात और भी अजीब लगी। उन्होंने कहा, "मैं सोचता रहा कि मेरे लुक्स का उस किरदार से क्या लेना-देना है। बाद में मुझे लगा कि शायद उनके पास कोई और वजह नहीं थी, इसलिए ऐसा कह दिया।" नकुल ने यह भी खुलासा किया कि वो फिल्म कभी बन ही नहीं पाई और हाल ही में वो डायरेक्टर जेल भी जा चुका है। एक्टर के हालिया काम की बात करें तो वो हाल ही में वेब सीरीज 'स्पेस जेन-चंद्रयान' में नजर आए थे। TVF के बैनर तले बनी इस सीरीज को अरुणाभ कुमार ने डायरेक्ट किया है।

मुंबई मेट्रो अथॉरिटी ने एक्टर के वीडियो पर सेफ्टी वॉर्निंग जारी किया

मेट्रो में वरुण धवन को पुल अप करना पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। इसी बीच एक्टर एक अलग वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गए हैं। दरअसल, शनिवार को वरुण ने ट्रैफिक से बचने के लिए मुंबई मेट्रो से सफर किया और एक सिनेमाघर में सरप्राइज विजिट करने पहुंचे थे। वरुण ने मेट्रो से अपनी एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी शेयर की थी, जिसमें उन्होंने फैंस से पूछा था कि वो किस थिएटर जा रहे हैं। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल होने लगे, जिनमें वरुण मेट्रो कोच के अंदर ओवरहेड मेटल रॉड से लटककर पुल-अप करते नजर आए।

वीडियो में उनके आसपास अन्य यात्री भी खड़े दिखे। वीडियो सामने आने के बाद महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MMMOCL) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इस पर रिएक्शन दिया है। इस तरह के काम मेट्रो रेलवे (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) एक्ट, 2002 के तहत न्यूसेंस फैलाने और/या प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने से जुड़ी धाराओं के तहत दंडनीय हैं।

> वीडियो के साथ कैप्शन लिखा गया, "इस वीडियो के साथ आपकी एक्शन फिल्मों की तरह डिस्क्लेमर होना चाहिए था, @वरुणडीवीएन। महा मुंबई मेट्रो में ऐसा करने की कोशिश न करें। दोस्तों के साथ मेट्रो में 'हैंग आउट' करना ठीक है, लेकिन ये ग्रैब हैंडल लटकने के लिए नहीं होते।

'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही

फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, अनन्या सिंह और मेधा राणा भी फिल्म का हिस्सा हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म, जेपी दत्ता की 1997 की सुपरहिट वॉर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है और इसकी कहानी 1971 भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

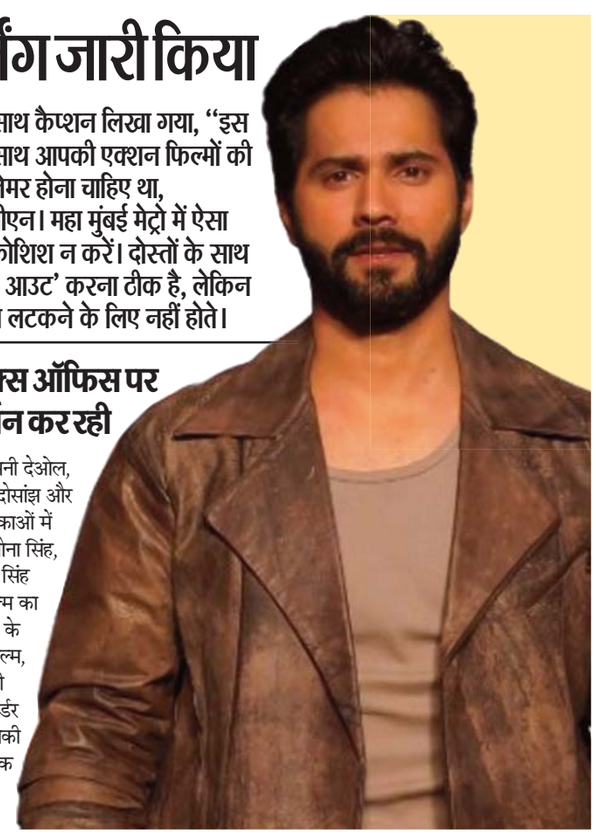

यूरोपीय नेता बस सपने देख रहे, अगर अकेले चलना है तो डिफेंस बजट बढ़ाएं

अमेरिका के बिना यूरोप अपनी रक्षा नहीं कर सकता : नाटो

वॉशिंगटन, एजेंसी

NATO के महासचिव मार्क रुट ने सोमवार को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक रुट ने कहा कि अगर वे वास्तव में अकेले ही ऐसा करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षा खर्च को 10% तक बढ़ाना होगा, अपनी परमाणु क्षमता का निर्माण करना होगा, जिसकी लागत अरबों यूरो होगी। अभी NATO के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30% है, जो देशों की GDP का औसतन 2% है। रुट ने ट्रम्प के आर्कटिक क्षेत्र और ग्रीनलैंड की मजबूत

रक्षा की रणनीति का समर्थन किया। रुट ने यह भी कहा कि उन्होंने ट्रम्प को उनकी बढ़ती धमकियों से पीछे हटने के लिए मनाया और ग्रीनलैंड को लेकर समझौते की दिशा में ले जाने की कोशिश की। रुट ने ट्रम्प की बात दोहराई कि चीन और रूस आर्कटिक सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। उन्होंने कहा, ट्रम्प बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, मैं जानता हूं कि इससे कई लोग चिढ़ रहे हैं। आर्कटिक रक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि ट्रम्प सही हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए थे। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया था।

> रुट ने कहा कि 70 साल बाद भी यूरोप अमेरिकी सैन्य शक्ति पर निर्भर है। यूरोप को अपनी मजबूत रक्षा के लिए बहुत अधिक खर्च करना होगा, यहां तक कि अपना परमाणु हथियार बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, '2035 तक 5% जीडीपी रक्षा खर्च काफी नहीं, इसे 10% तक ले जाना होगा। उस स्थिति में आप हमारी स्वतंत्रता के अंतिम गारंटर यानी अमेरिकी परमाणु सुरक्षा कवच को खो देंगे।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं की रुट से नाराजगी बढ़ी

ट्रम्प ने 21 जनवरी को दावोस में रुट के साथ ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की थी। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता इस बात से नाराज हो गए थे कि ट्रम्प और रुट उनके पीठ पीछे ग्रीनलैंड के भविष्य पर बात कर रहे हैं। यूरोपीय संसद के कई सदस्यों ने रुट से पूछा कि उन्होंने ट्रम्प से ठीक क्या चर्चा की और इसका डेनमार्क व ग्रीनलैंड पर क्या असर होगा। ट्रम्प ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर नाटो के साथ एक समझौते का ढांचा तैयार हो गया है, जिससे यूरोप में राहत मिली, हालांकि कई लोग चिंतित हैं कि ट्रम्प अपना मन बदल सकते हैं।

सोना ₹5 हजार महंगा, ₹1.59 लाख पर पहुंचा

चांदी ₹24,802 बढ़कर ₹3.42 लाख/केजी पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज (27 जनवरी) अब तक के अपने सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 4,717 रुपए बढ़कर 1,59,027 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,54,310 रुपए/10g पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 24,802 रुपए बढ़कर 3,42,507 रुपए पर आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 3,17,705 रुपए किलो थी। इस साल अब तक सिर्फ 27 दिनों में ही ये 1.12 लाख रुपए महंगी हो चुकी है। इस साल जनवरी के 27 दिन में ही चांदी 1,12,087 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 3,42,507 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। वहीं, सोने की कीमत 25,832

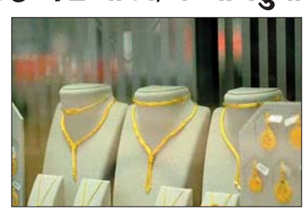

रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 3,42,507 रुपए हो गया है। रिसर्च हेड डॉ रेनिशा चैनानी के अनुसार, अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 में 1,90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी 4 लाख रुपए तक जा सकती है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

फैसला: यूरोपीय कारों पर ड्यूटी 110% से घटकर 10% हुई, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में ऐलान

मर्सिडीज-बीएमडब्ल्यू की इम्पोर्टेड कारें भारत में सस्ती होंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में अब यूरोप से इम्पोर्ट होने वाली कारें सस्ती हो जाएंगी। भारत सरकार ने यूरोप से आने वाली कारों पर लगने वाले इम्पोर्ट ड्यूटी को 110% से घटाकर 10% कर दिया है। हालांकि, सरकार ने इसके लिए 2.5 लाख गाड़ियों की सालाना लिमिट तय की गई है। ये फैसला भारत और यूरोपियन यूनियन के हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का हिस्सा है। इस एग्रीमेंट का ऐलान आज मंगलवार को भारत-EU समिट में किया गया है। करीब 20 साल चली लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। भारत में मर्सिडीज बेंज और BMW की ज्या दातर पॉपुलर कारें पहले से ही लोकल असेंबली के जरिए बनती हैं। यानी पार्ट्स इम्पोर्ट करके यहां जोड़कर बनाई जाती हैं। इन पर इंपोर्ट ड्यूटी केवल 15-16.5% तक लगती है, इसलिए EU के साथ FTA

होने से इनकी कीमत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। लेकिन यह छूट असीमित नहीं होगी। सरकार ने एक कोटा सिस्टम लागू किया है, जिसके तहत साल भर में केवल 2.50 लाख गाड़ियों पर ही यह कम टैक्स लागू होगा। वहीं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को पहले 5 साल ड्यूटी कट से बाहर रखा जाएगा, ताकि घरेलू प्लेयर्स जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा को प्रोटेक्शन मिले।

फॉक्सवैगन, मर्सिडीज-बेंज सस्ती होंगी

भारत और यूरोपीय यूनियन की और से जारी प्रेस स्टेटमेंट के अनुसार, कारों पर टैरिफ धीरे-धीरे 110% से घटाकर 10% तक लाया जाएगा। जिससे यूरोपीय कंपनियां जैसे फॉक्सवैगन, मर्सिडीज-बेंज और BMW हाई-एंड या स्पेशल मॉडल्स भारतीय बाजार में सस्ते हो जाएंगे।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार बाजार है भारत

बिक्री के मामले में भारत इस समय अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार मार्केट है। हालांकि EU मैन्युफैक्चरर्स का भारत के 44 लाख यूनिट सालाना कार बिक्री वाले बाजार में शेयर 4% से कम है। इसके बावजूद भारत ने अपने ऑटो सेक्टर को काफी सुरक्षित (प्रोटेक्टेड) रखा हुआ था। अब इस डील के बाद मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी और फॉक्सवैगन जैसी कंपनियों के लिए भारत में अपना दायरा बढ़ाना आसान हो जाएगा।

अभी कितना टैक्स लगता है?

» कार की कीमत 40,000 डॉलर से कम है, तो उस पर 70% बेसिक कस्टम ड्यूटी लगती है।

» कार की कीमत 40,000 डॉलर से ज्यादा है, तो कस्टम ड्यूटी 110% तक पहुंच जाती है।

190 अरब डॉलर पार कर चुका है आपसी व्यापार

साल 2024-25 में कुल व्यापार 190 अरब डॉलर (करीब 15.80 लाख करोड़ रुपए) के पार निकल चुका है। इस दौरान भारत ने यूरोपीय देशों को 75.9 अरब डॉलर का सामान और 30 अरब डॉलर की सर्विस एक्सपोर्ट की। वहीं, यूरोप ने भारत को 60.7 अरब डॉलर का सामान और 23 अरब डॉलर की सर्विस भेजी। यह मुक्त व्यापार समझौता (FTA) दोनों पक्षों के बीच व्यापार को बहुत बढ़ाएगा। EUके साथ ट्रेड 2023-24 में $137.41 बिलियन रहा, इस एग्रीमेंट के बाद दोगुना होने की उम्मीद है।

ट्रम्प ने साउथ कोरिया पर 25% टैरिफ लगाया

कहा- उन्होंने हमारी ट्रेड डील मंजूर नहीं की, कोरिया बोला- हमें इसकी जानकारी नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने साउथ कोरिया के सामानों पर 25% टैरिफ लगा दिया है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ कोरिया पिछले साल हुए ट्रेड डील पर ठीक से अमल नहीं कर रहा है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि साउथ कोरिया पर 15% से बढ़ाकर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ कारों, लकड़ी, दवाओं और बाकी उत्पादों पर लागू होगा। ट्रम्प का कहना है कि साउथ कोरिया की संसद इस समझौते को मंजूरी देने में देर कर रही है, जबकि अमेरिका ने समझौते के मुताबिक अपने टैरिफ तेजी से कम किए हैं। ट्रम्प ने कहा कि साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग और मैंने 30 जुलाई 2025 को दोनों देशों के लिए

एक महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति बनाई थी। मैंने 29 अक्टूबर 2025 को कोरिया में रहते हुए इस समझौते को दोहराया था। कोरियाई संसद ने इसे मंजूरी क्यों नहीं दी? उन्होंने हमारे ऐतिहासिक व्यापार समझौते को लागू नहीं किया है, जो उनकी जिम्मेदारी है। उस समझौते में ट्रम्प ने दावा किया था कि साउथ कोरिया, अमेरिका में 350 अरब डॉलर (करीब 29 लाख करोड़ रुपए) का निवेश करेगा, जिस पर कंट्रोल अमेरिका का रहेगा। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में साउथ कोरिया ने अमेरिका को करीब 132 अरब डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपए) का सामान एक्सपोर्ट किया। इसमें ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद प्रमुख हैं। टैरिफ बढ़ने से इन साउथ कोरियाई सामानों की कीमतें अमेरिका में बढ़ सकती हैं। साउथ कोरिया ने कहा है कि उसे टैरिफ बढ़ाने के फैसले की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। साउथ कोरिया ने इस मुद्दे पर अमेरिका से तुरंत बातचीत की मांग की है। साउथ कोरिया ने यह भी बताया कि उसके उद्योग मंत्री किम जंग-क्वान, जो इस समय कनाडा में हैं।

लखनऊ में प्रदर्शन, लगातार 5वें दिन शाखाएं बंद, ₹2500 करोड़ का क्लियरेंस रुका

यूपी में 5 डे वर्किंग के लिए बैंकों में हड़ताल

- हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक के मुख्यालय में बैंक कर्मियों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।
- बैंक कर्मियों ने गेट पर खड़े होकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बैंकों में 5 डे वर्किंग की मांग को लेकर पूरे यूपी में 27 जनवरी को शाखाओं में हड़ताल रही। 4 दिन लगातार छुट्टी के बाद मंगलवार को पांचवें दिन भी बैंक बंद रहे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर मंगलवार को देशभर के साथ लखनऊ में भी बैंककर्मियों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। लखनऊ में हड़ताल के दौरान बैंककर्मियों ने हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक मुख्यालय

परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। सभा आयोजित कर केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया। मंगलवार की हड़ताल से लखनऊ जिले में 2500 करोड़ रुपए की क्लियरिंग प्रभावित हुई। बैंककर्मियों का कहना है कि लंबे समय से आंदोलन, धरना, रैली और सोशल मीडिया अभियान चलाने के बावजूद केंद्र सरकार उनकी एकमात्र मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। सभा में वीके सेंगर, राकेश पांडेय, ललित श्रीवास्तव, मनीषकांत, एसके अग्रवाल, नंदू त्रिवेदी, वीके श्रीवास्तव, अनुषा दुबे और प्रीति वर्मा ने कहा कि लगातार बढ़ते कार्यदबाव और तनाव के चलते बैंककर्मियों के लिए 5 दिवसीय बैंकिंग समय की जरूरत बन चुकी है। धनंजय सिंह, आकाश शर्मा, यूपी दुबे, करुणेश शुक्ला, तारकेश्वर चौहान, आशुतोष वर्मा, शिवकुमार सिंह, ब्रजेश तिवारी, आरपी सिंह और अमित सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो बैंककर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए मजबूर होंगे।

आरबीआई और एलआईसी समेत कई संस्थानों में 5 कार्य दिवस

सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक इम्प्लॉइज (एनसी-बीई) के महामंत्री डी.के. सिंह ने कहा कि जब रिजर्व बैंक, एलआईसी, सेबी, नाबार्ड, एनपीसीआई, सीवीसी, डीएफएस सहित अनेक सरकारी विभागों में 5 दिवसीय कार्य व्यवस्था लागू है, तो बैंकों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि बैंककर्मी केवल समानता और न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

रोज 40 मिनट अतिरिक्त काम को तैयार

यूएफबीयू के प्रदेश संयोजक वाईके अरोड़ा ने कहा कि बैंककर्मी पूरे महीने में केवल 2 से 3 शेष शनिवारों को अवकाश की मांग कर रहे हैं। इसके बदले बैंककर्मी प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने को भी तैयार हैं, इसके बावजूद सरकार का अड़ियल रवैया समझ से परे है। सभा में आरएन शुक्ला और एसके संगतानी ने कहा कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) पहले ही इस मांग को स्वीकार कर सरकार के पास अनुमोदन के लिए भेज चुका है।

लखनऊ में 905 शाखाओं में ठप रहा कामकाज

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के कारण लखनऊ में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 905 शाखाओं के लगभग 16 हजार अधिकारी और कर्मचारी हड़ताल पर रहे।

66 प्रदर्शन के दौरान कॉमरेड मनमोहन दास ने कहा कि 5 दिवसीय बैंकिंग कोई भीख नहीं बल्कि बैंककर्मियों का अधिकार है और इसके लिए लंबी लड़ाई से भी पीछे नहीं हटेंगे। सभा को लक्ष्मण सिंह, शकील अहमद, संदीप सिंह, वी.के. माथुर, बी.डी. पांडे, एस.डी. मिश्रा, विभाकर कुशवाहा, आनंद सिंह, विशाखा वर्मा और स्वाति सिंह सहित अन्य बैंक नेताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि बैंक हड़ताल से आम जनता को होने वाली असुविधा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

कंबोडियाई महिला से सैटेलाइट फोन बरामद

पति के साथ लखनऊ से दिल्ली जा रही थी, एयरपोर्ट पर पकड़ी गई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक कंबोडियाई महिला यात्री के पास से प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन बरामद किया है। महिला लखनऊ से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट से यात्रा करने वाली थी। सुरक्षा जांच के दौरान संदिग्ध डिवाइस मिलने पर CISF ने तत्काल उसे रोक लिया और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। घटना सोमवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार, कंबोडिया की रहने वाली महिला यात्री रोथा क्रूथ रात करीब 8 बजे अपने पति के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या IX-1618 से लखनऊ से दिल्ली जाने वाली थीं। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान CISF कर्मियों को महिला के होल्ड बैगेज से एक मोटोरोला सैटेलाइट फोन मिला। जांच में स्पष्ट हुआ कि यह फोन भारत में प्रतिबंधित श्रेणी में आता है। एसीपी कृष्णा नगर ने

बताया- बरामद सैटेलाइट फोन हवाई यात्रा के दौरान ले जाना प्रतिबंधित है। यह फोन महिला यात्री के पास कहां से आया, क्या वह इसे कंबोडिया से अपने साथ लाई थी या भारत में कहीं से प्राप्त किया। इन सभी बिंदुओं पर महिला और उसके पति से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि महिला यात्री अपने पति के साथ कंबोडिया से उत्तर प्रदेश के बौद्ध तीर्थ स्थलों के भ्रमण पर आई थी। यात्रा के दौरान सैटेलाइट फोन साथ रखने के उद्देश्य और उसके संभावित उपयोग को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता से जांच कर रही हैं।

फास्ट न्यूज

ब्यूटी पार्लर के लिए निकली ब्यूटीशियन लापता

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र से 23 वर्षीय ब्यूटीशियन लापता हो गई है। पीड़ित पिता ने एक युवक पर अगवा करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दीनदयालपुरम तकरोही निवासी लाल बिहारी पुरी के अनुसार, उनकी बेटी विनीता (23) मुंशी पुलिया स्थित एक पार्लर में काम करती है।

सांसद रमेश अवस्थी ने स्नाइपर गन से निशाना साधा

कानपुर। कानपुर के साढ़ स्थित डिफेंस कॉरिडोर में मंगलवार को सांसद रमेश अवस्थी पहुंचे और अदानी डिफेंस परिसर का निरीक्षण किया। सांसद ने एआई तकनीक आधारित आधुनिक हथियारों और रक्षा उपकरणों का अवलोकन किया और निर्माण प्रक्रिया को नजदीक से समझा। निरीक्षण के बाद सांसद ने शूटिंग रेंज में पहुंचकर कार्बाइन से लगातार 5 फायर भी किए। साढ़ कस्बा स्थित डिफेंस कॉरिडोर पहुंचने पर सांसद रमेश अवस्थी का स्वागत अदानी डिफेंस के ज्वाइंट प्रेसिडेंट अशोक वाधवान ने बुके देकर किया। इसके बाद सांसद ने परिसर में प्रदर्शित एआई तकनीक आधारित हथियारों का निरीक्षण किया। अशोक वाधवान ने उन्हें विभिन्न प्रकार के आर्म्स और वेपंस की तकनीकी विशेषताओं की विस्तार से जानकारी दी।

यूजीसी को लेकर डीएम ऑफिस में नारेबाजी

कानपुर। यूजीसी के नए कानून को लेकर कानपुर में विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को सुबह से ही डीएम ऑफिस में सामाजिक संगठनों का पहुंचना शुरू हो गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ताओं ने डीएम ऑफिस के गेट पर पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। दोनों संगठनों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा।

कोडीन कफ सिरप तस्करी में विकास गिरफ्तार

सरगना शुभम का करीबी, लखनऊ से दबोचे गए बर्खास्त सिपाही को गिरोह से जोड़ा था

- कोडीन कफ सिरप मामले में वांछित आजमगढ़ निवासी विकास सिंह नरवे को सिद्धार्थनगर से गिरफ्तार कर लिया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी के मामले में यूपी एसटीएफ को एक और बड़ी सफलता मिली है। इस हाई-प्रोफाइल नेटवर्क से जुड़े शुभम जायसवाल के सबसे करीबी सहयोगी विकास सिंह नरवे को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी। गिरफ्तारी के बाद तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई अहम खुलासों की उम्मीद जताई जा रही है। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, विकास सिंह नरवे का आपराधिक इतिहास भी काफी लंबा है। उसके खिलाफ आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी सहित कई जिलों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन

मामलों में अवैध तस्करी, आपराधिक साजिश और नेटवर्क संचालन से जुड़े आरोप शामिल बताए जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि विकास सिंह नरवे ही शुभम जायसवाल को इस नेटवर्क के बड़े चेहरों अमित टाटा और आलोक सिंह से मिलवाने वाला अहम कड़ी है। एसटीएफ के अनुसार, इसी संपर्क के जरिए कोडीन कफ सिरप की सप्लाई और तस्करी का नेटवर्क और मजबूत हुआ। विकास की भूमिका केवल संपर्क सूत्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह पूरे नेटवर्क के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल रहा। विकास सिंह नरवे यूपी एसटीएफ की रडार पर काफी समय से था। कोडीन कफ सिरप तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क के खुलासे के बाद उसकी तलाश तेज कर दी गई थी। तकनीकी सर्विलांस और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर आखिरकार एसटीएफ ने उसे दबोच लिया।

शुभम जायसवाल और बड़े तस्करों के बीच कड़ी है

जांच में सामने आया है कि विकास सिंह नरवे ही शुभम जायसवाल को इस नेटवर्क के बड़े चेहरों अमित टाटा और आलोक सिंह से मिलवाने वाला अहम कड़ी है। एसटीएफ के अनुसार, इसी संपर्क के जरिए कोडीन कफ सिरप की सप्लाई और तस्करी का नेटवर्क और मजबूत हुआ। विकास की भूमिका केवल संपर्क सूत्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह पूरे नेटवर्क के संचालन में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

66 एसटीएफ सूत्रों का कहना है कि विकास सिंह नरवे की गिरफ्तारी से कोडीन कफ सिरप तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई और नाम सामने आ सकते हैं। पूछताछ के दौरान उसके संपर्कों, सप्लाई चैन और आर्थिक लेन-देन की गहन जांच की जा रही है।

रामलला की ₹50 हजार की पेंटिंग, मंत्री देखकर चौंके

बोले- इसे नहीं खरीद पाऊंगा, लखनऊ के बिजनेस मेले में 300 स्टॉल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (UPITEX) चल रहा है। इसमें 300 से ज्यादा स्टॉल लगे हैं। इनमें हैंडमेड चीजें बिक रही हैं। अलीगढ़ से शेर, हाथी, घोड़े वाले पीतल के ताले आए बिक रहे हैं। सोलर प्लांट के स्टॉल हैं। कैनवास पेंटिंग के भी स्टॉल हैं। 27 जनवरी तक चल रहे इस एक्सपो का उद्घाटन योगी सरकार में मंत्री राकेश सचान ने 23 जनवरी को किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी के मुख्य सलाहकार पूर्व IAS अवनीश अवस्थी भी मौजूद रहे। दोनों पेंटिंग के स्टॉल पर पहुंचे। यहां रामलला की पेंटिंग देखने लगे। पेंटिंग का दाम जानते ही मंत्री ने अपने हाथ पीछे कर लिए। उन्होंने साथ

चल रहे पूर्व IAS अवनीश अवस्थी से कहा कि मेहनत तो लगती होगी इस पेंटिंग को बनाने में। वैसे यह खरीदना मेरे वश में नहीं है। दरअसल, स्टॉल के ओनर सत्यम प्रकाश ने मंत्री से रामलला की कैनवास पेंटिंग की कीमत 50 हजार रुपए बताई थी। उनके पास 30 हजार से 75 हजार रुपए तक के पेंटिंग हैं। MSME मंत्री राकेश सचान स्टॉल पर पहुंचे तो उन्होंने कैनवास पर बनी रामलीला की एक पेंटिंग देखी। स्टॉल संचालक सत्यम प्रकाश ने बताया कि यह पेंटिंग पूरी तरह हाथ से बनाई गई है, जिसे तैयार करने में करीब दो महीने लगे। पेंटिंग में एक्रेलिक और मेटेलिक रंगों का इस्तेमाल किया गया है और इसका साइज करीब 3×4 फीट है। इसकी कीमत 50 हजार रुपए रखी गई है। स्टॉल संचालक सत्यम प्रकाश ने बताया कि पेंटिंग की असली कीमत कलाकार की मेहनत और उसमें लगे समय से तय होती है। मंत्री राकेश सचान ने इस पर उनकी अवनीश अवस्थी से बड़ाई की। सत्यम ने बताया- उनकी गैलरी लखनऊ में फन मॉल के पास है, जहां कैनवास और कॉटन पर बनी कई तरह की हैंडमेड पेंटिंग्स उपलब्ध हैं। स्टॉल ओनर सत्यम के मुताबिक, इस पेंटिंग को बनाने के लिए ऐसे ब्रश का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें गिलहरी का सिर्फ एक बाल होता है।

लखनऊ समेत 17 जिलों में बार काउंसिल के लिए वोटिंग

333 प्रत्याशी चुनाव मैदान में, 2.49 लाख मतदाता शाम तक करेंगे मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ समेत 17 जनपद मुख्यालयों और आउट लाइंग मुंसिफ कोर्ट परिसरों में बार काउंसिल के चुनाव को लेकर मतदान किया जा रहा है। वकील शाम 5 बजे तक मतदान कर सकेंगे। चुनाव अधिकारी एवं काउंसिल के सचिव आर.के. शुक्ला के अनुसार चुनाव की सभी प्रक्रियाएं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित हाईपावर इलेक्शन कमेटी की निगरानी में संपन्न कराई जा रही हैं। बार काउंसिल के सदस्य पद के लिए कुल 333 वैध प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। चारों चरणों को मिलाकर प्रदेशभर में 2 लाख 49 हजार 808 अधिवक्ता मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी रहेगी और केवल अधिकृत अधिवक्ताओं को ही प्रवेश

मिलेगा। बार काउंसिल चुनाव में नामांकन शुल्क अन्य संवैधानिक चुनावों की तुलना में कहीं अधिक रखा गया है। प्रत्येक प्रत्याशी को 1.50 लाख रुपए नामांकन शुल्क के रूप में जमा करने के साथ 80 जिलों की मतदाता सूची के लिए अतिरिक्त 25 हजार रुपए का भुगतान करना पड़ा है। चुनाव अधिकारी के अनुसार तीसरे चरण में लखनऊ समेत कन्नौज, कानपुर नगर, कासगंज, कौशाम्बी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, लखनऊ, महाराजगंज, महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मऊ, मेरठ, मीरजापुर, मुरादाबाद और मुजफ्फर नगर में मतदान कराया जाएगा। सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी के बीच मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी। बार काउंसिल चुनाव का चौथा एवं अंतिम चरण 30 और 31 जनवरी, 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस चरण में पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, रमाबाई नगर, सहारनपुर, संभल, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर और वाराणसी में अधिवक्ता मतदान करेंगे। यह चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित हाईपावर इलेक्शन कमेटी की देखरेख में कराया जा रहा है। कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रविरंजन, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, झारखंड हाईकोर्ट हैं।

हत्या : आगरा में प्रेमी बोला- पैसे मुझसे खर्च कराती, बात किसी और से करती थी

नारियल काटने वाले चाकू से प्रेमिका की गर्दन काटी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एचआर मिंकी शर्मा की उसके बॉयफ्रेंड विनय राजपूत ने हत्या की थी। बॉयफ्रेंड ने उसे मारने के लिए लोहार से नारियल काटने वाला चाकू खरीदा था। उसमें तेज धार लगवाई, ताकि एक ही वार में सिर धड़ से अलग कर सके। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के सामने आरोपी ने 23 जनवरी को हत्या के बाद शव फेंकने तक की पूरी हकीकत बताई। उसने बताया कि वह उससे पैसे खर्च कराती थी, किसी और से बात करती थी और शादी के लिए तैयार नहीं थी। उसने कहा कि उसका फोन रात में बिजी आता था, इसलिए उसने सोचा कि अगर वह उसकी नहीं होगी तो किसी की नहीं होगी, और फिर हत्या की योजना बनाई। आइए आपको बताते हैं कि 23 जनवरी को मारुति प्लाजा के ऑफिस में क्या हुआ था और कैसे पूरी प्लानिंग की गई। आगरा के कालिंदी विहार के पार्वती नगर की रहने

वाली मिंकी शर्मा मेरठ की कंपनी दिविशा टेक्नोलॉजी में एचआर मैनेजर के पद पर काम करती थी। कंपनी का हेड ऑफिस मेरठ में है। इसके ऑनर राहुल देव हैं। कंपनी में ट्रांस यमुना कॉलोनी सी ब्लॉक निवासी विनय राजपूत अकाउंटेंट के पद पर काम करता था। विनय के पिता अनार सिंह आवास विकास विभाग में काम करते थे। एक साल पहले वह रिटायर हुए हैं। ब्रांच ऑफिस में इन दोनों के अलावा एक ऑफिस बॉय और था। तीन साल से दोनों साथ काम कर रहे थे। तो दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। एक-दूसरे से प्यार करने लगे। विनय मिंकी को इतना पसंद करने लगा कि उससे शादी करने की ठान ली। उसने मिंकी के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। मिंकी तैयार थी। मुझे शक होने लगा कि मिंकी का किसी और से अफेयर है। मैंने कई बार मिंकी से पूछा, लेकिन वो बातों को टाल देती थी। मुझको लगता था कि खर्चा मैं करता हूं और मेरी गर्ल फ्रेंड किसी और के साथ घूम रही है। ऐसे में मैं परेशान रहने लगा। मैंने सोच लिया कि अगर मिंकी मेरी नहीं हुई तो किसी और की नहीं होगी।

विनय ने पुलिस को बताया- मैं और मिंकी ने अपने घरवालों को शादी के लिए बताया था। मेरे घरवाले तैयार थे। मिंकी ने भी कहा था कि वो अपने घरवालों को राजी कर लेगी। मगर, पिछले करीब 6 महीने से मिंकी शादी के लिए आनाकानी करने लगी। उसका व्यवहार बदल गया। वो उसको प्रॉपर रिस्पांस नहीं देती थी। रात को देर तक उसका फोन बिजी रहता था।

यह संजय प्लेस का मारुति प्लाजा। इसी के 6वें फ्लोर पर कंपनी दिविशा टेक्नोलॉजी का ऑफिस है।

पृष्ठ 01 का शेष...

देशभर में यूजीसी ...

किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं होगा। वहीं नियम के खिलाफ विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें नियम पर रोक, सभी छात्रों के लिए समान अवसर, इक्विटी हेल्पलाइन सुविधाएं देने की मांग की गई है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि उन्होंने नए नियमों की वापसी को लेकर पीएम मोदी को लेटर लिखा है। यदि नियम वापिस नहीं लिए जाते हैं तो उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि किसी को भी इसका गलत इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं रहेगा। किसी के भी साथ अत्याचार या भेदभाव नहीं किया जाएगा।

भाजपा का ...

उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में वोटर्स के नाम लिस्ट से हटाए गए। अखिलेश ने कहा कि चुनाव आयोग का काम वोटर्स की संख्या बढ़ाना है, न कि घटाना, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि आयोग और भाजपा मिलकर वोट कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि ममता बनर्जी ने ED का डटकर सामना किया और राज्य को "डिजिटल डकैती" से बचाया। अखिलेश यादव ने कहा,"ममता बनर्जी प्रेम और भाईचारे की बात करती हैं, जबकि भाजपा समाज को बांटने की राजनीति करती है।" उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल केवल एक राजनीतिक राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी बहुत अहम है। इससे पहले अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी डिंपल यादव और सपा की राज्यसभा सांसद जया बच्चन के साथ कोलकाता के कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की।

अयोध्या जीएसटी ...

उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह UGC का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी। इस तरह दो दिन में दो अफसरों के इस्तीफे हुए हैं। प्रशांत कुमार सिंह ने इस्तीफा देने के बाद पत्नी से फोन पर बात की। हैलो...कहते ही वे बेहद भावुक नजर आए। उनका गला रूंध गया और वे अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उन्होंने रोते हुए पत्नी से कहा- मन बेहद व्यथित था। मैंने इस्तीफा दे दिया है। मुझे बर्दाश्त नहीं हुआ। जिसका नमक खाते हैं, उसका सिला अदा करना चाहिए। मैं बहुत पीड़ा में था। मैं उसी प्रदेश से वेतन लेता हूं, उसी सरकार के तहत काम करता हूं। अगर उसी नेतृत्व के खिलाफ अपमानजनक बातें हों और मैं चुप रहूं, तो यह मेरे लिए संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वे पिछले दो रातों से सोए नहीं थे और उनकी दो छोटी बेटियां हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे यह देखें कि उनका पिता सही और गलत के बीच खड़ा होने से नहीं डरा। यह फैसला किसी आवेग में नहीं, बल्कि लंबे आत्ममंथन के बाद लिया गया है।

हिमाचल में फिर ...

सड़क पर फिसलन बढ़ने से कई गाड़ियां फागू-कुफरी के बीच फंस गई है। मौसम विभाग ने स्नोफॉल के साथ आज रात में सभी जिलों में तूफान की भी चेतावनी दे रखी है। कई क्षेत्रों में 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तूफान चल सकता है।किन्नौर और लाहौल स्पीति को छोड़कर अन्य सभी जिलों में शीतलहर का भी अलर्ट है। बिलासपुर और ऊना जिला में कुछेक स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। आज दिन के वक्त भी शिमला समेत कई भागों में तूफान और शीतलहर चलने से तापमान में बड़ी गिरावट आई है। प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री नीचे गिर गया है। ऊना के तापमान में सबसे ज्यादा 9 डिग्री की गिरावट आने के बाद तापमान 12.8 डिग्री रह गया है।

भारत-यूरोपियन ...

इसलिए भारत और EU को मिलकर अपनी निर्भरता कम करनी चाहिए कोस्टा ने कहा कि मुझे अपनी गोवा से जुड़ी पहचान पर बहुत गर्व है, जहां से मेरे पिता का परिवार आया है। यूरोप और भारत के बीच का रिश्ता मेरे लिए सिर्फ आधिकारिक नहीं, बल्कि निजी भी है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से हर साल करीब 4 अरब यूरो (43 हजार करोड़ रुपए) के टैरिफ कम होंगे और भारत व यूरोप में लाखों लोगों के लिए रोजगार के नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारत–EU फ्री ट्रेड एग्रीमेंट दुनिया को साफ संदेश देता है कि आज की ग्लोबल चुनौतियों का सबसे अच्छा जवाब आपसी सहयोग है, न कि अलग-थलग होकर फैसले लेना। भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने ट्रेड डील को लेकर कहा कि यह भारत के लिए एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक समझौता है।

पश्चिम बंगाल मे ...

गोदाम में एक डेकोरेटिंग कंपनी और एक लोकप्रिय मोमो चेन के मजदूर काम करते थे, जो वहीं अस्थायी कमरों में रहते थे। चार मजदूर ने समय रहते फैक्ट्री से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। मृतक और लापता मजदूर पुरबा मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जिलों के रहने वाले हैं। बीजेपी विधायक अशोक डिंडा ने आरोप लगाया कि आधी रात को गोदाम का मुख्य गेट बंद था।

खराब मौसम से तीन उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

चंडीगढ़, पुणे और रायपुर से दिल्ली आने वाली उड़ानें लखनऊ डायवर्ट की गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मंगलवार सुबह दिल्ली में मौसम अचानक खराब हो गया, जिसके चलते वहां उतरने वाली तीन यात्री उड़ानों को लखनऊ एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट करना पड़ा। ये सभी विमान थोड़े-थोड़े अंतराल पर लखनऊ पहुंचे। फिलहाल दिल्ली में मौसम सामान्य होने का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद इन उड़ानों को दोबारा दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा। इसी तरह पुणे से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1838 भी मौसम खराब होने के कारण दिल्ली में लैंड नहीं कर सकी। यह विमान निर्धारित समय पर दिल्ली पहुंचा, लेकिन बाद में इसे भी लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया और यह करीब 11:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। इसी तरह पुणे से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1838 भी मौसम खराब होने के कारण दिल्ली में लैंड नहीं कर सकी।

एयर इंडिया की उड़ानें नहीं कर सकीं दिल्ली में लैंड

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, चंडीगढ़ से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-1862 सुबह 10:55 बजे दिल्ली पहुंचने वाली थी। लेकिन खराब मौसम के कारण विमान को कई चक्कर लगाने पड़े और एटीसी से लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया, जो करीब 11:40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676